।। श्री द्वारकेशो जयति ।।

व्रतोत्सव

विक्रम संवत् २०६७, शोभन नाम संवत्सरे
शालिवाहन शाके १९३२, विकृत नाम संवत्सरे
श्री वल्लभाब्द ५३२-५३३
सन् २०१०-२०११

तृतीय पीठाधीश्वर
गोस्वामी श्री व्रजेशकुमारजी महाशय
काँकरोली
की आज्ञानुसार प्रकाशित

उत्सव तथा व्रतन की

टिप्पणी

प्रकाशक

श्री पुष्टिमार्गीय तृतीयपीठ प्रन्यास

काँकरोली

टिप्पणी निर्माण संपादन

श्री बिन्दुलाल शर्मा, काँकरोली

मुद्रक

श्री हरि प्रिन्टस

लाड एपार्टमेन्ट, पोलोग्राउन्ड के सामने, बडौदा.

तृतीय पीठ श्री द्वारकाधीश मंदिर, कांकरोली संबंधित जानकारी के लिये मुलाकात कीजिये

www.vallabhkankroli.org

"विज्ञप्ति"

श्रीमद् जगदगुरु श्री वल्लभाचार्य तृतीय पीठ प्रन्यास की और से पुष्टि सम्प्रदाय के व्रतोत्सवों की अद्यावधि उपलब्ध विभिन्न टिप्पणियों का परिशीलन कर तथा कुछ आधुनिक विद्या के केलेंडरों का अभ्यास कर एक नये प्रकार की टिप्पणी के प्रकाशन का प्रारम्भ किया जा रहा है। जिस में भगवत्सेवा रसिक जनों के साथ ही सामान्य जन–समाज के उपयोग को भी लक्ष्य में रख कुछ विशेष सूचनादि यथा स्थान किये गये है।

तृतीय गृह के वैष्णव समाज के लाभार्थ श्री द्वारकेश प्रभु के यहां मनाये जाने वाले उत्सवादि विशेष रूप से निर्दिष्ट है, साथ ही कुछ संग्रहणीय चित्र और मननीय वचनामृत भी निवेशित किये गये है। आशा हैं संह्यदयजनों का मानसोल्लास वर्ष यात्रा का पाथेय बनेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष — संवत २०६७

श्री वल्लभाब्द ५३२ — मार्च-२०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव — वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	१६	नूतनवर्षारम्भ
२	बुध	१७	
३	गुरु	१८	गणगौर
४	शुक्र	१९	
५	शनि	२०	
६	रवि	२१	षष्ठपुत्र श्री यदुनाथजी को उत्सव (१६१५)
७	सोम	२२	
८	मंगल	२३	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१८३५) नवमी का क्षय
९	बुध	२४	श्री रामनवमी व्रत, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१६३६) श्री बालकृष्णलालजी के लालजी
१०	गुरु	२५	व्रत की पारणा, जन्मदिन गो. श्री गोपाललालजी, कोटा
११	शुक्र	२६	कामदा ११ व्रत, श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बधाई
१२	शनि	२७	
१३	रवि	२८	
१४	सोम	२९	
१५	मंगल	३०	पूर्णिमा, श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९८१) श्री भाभीजी महाराज कृत, वैशाख स्नानारम्भ

निझ वैशाख कृष्ण पक्ष (गु.चैत्र) संवत २०६७

श्री वल्लभाब्द ५३२-५३३ मार्च-अपैल २०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	बुध	३१	प्रतिपदा को क्षय	
३	गुरु	१	**अप्रैल**	
४	शुक्र	२		
५	शनि	३		
६	रवि	४	जन्मदिन गो. श्री त्रिलोकी भूषणजी (श्री शिशिरकुमारजी) काँकरोली व गो. श्री विट्ठलनाथजी (लालमणिजी) कोटा-मुंबई	
७	सोम	५	उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री मथुराधीशजी बाग में बिराजे (१९६६), पाटोत्सव श्री विट्ठलनाथजी, नाथद्वारा	
८	मंगल	६		
९	बुध	७		
९	गुरु	८	नवमी की वृद्धि	
१०	शुक्र	९	पाँच स्वरुपोत्सव ति. श्री गोवर्धनलालजी कृत	
११	शनि	१०	वरुथिनी ११ व्रत, महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (१५३५), श्री वल्लभाब्ध ५३३ प्रारम्भ	
१२	रवि	११		
१३	सोम	१२		
१४	मंगल	१३		
३०	बुध	१४	अमावस्या, मेष संक्रान्ति प्रात: ५.५० पे बैठे तासूं पुण्य काल सूर्योदय सूं है। सतुआ प्रात: गोपीवल्लभ में धरावे।	

अधिक वैशाख शुक्ल पक्ष — संवत २०६७

श्री वल्लभाब्द ५३३ — अप्रैल-२०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव — वसंत-ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	गुरु	१५	पुरुषोत्तम मास को प्रारम्भ
२	शुक्र	१६	
३	शनि	१७	
४	रवि	१८	
५	सोम	१९	
६	मंगल	२०	ग्रीष्म ऋतु प्रारम्भ
७	बुध	२१	
८	गुरु	२२	
९	शुक्र	२३	दसमी को क्षय
११	शनि	२४	
१२	रवि	२५	कमला ११ व्रत
१३	सोम	२६	
१४	मंगल	२७	
१५	बुध	२८	पूर्णिमा

अधिक वैशाख कृष्ण पक्ष (गु.वैशाख) संवत २०६७

श्री वल्लभाब्द ५३३ अपैल-मई २०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव	ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	गुरु	२९	व्यतिपात दानादि के लिये श्रेष्ठ	
२	शुक्र	३०		
३	शनि	१	मई	
४	रवि	२		
५	सोम	३		
६	मंगल	४		
७	बुध	५		
८	गुरु	६		
९	शुक्र	७		
१०	शनि	८		
११	रवि	९	वैधृति	
१२	सोम	१०	कमला ११ व्रत	
१२	मंगळ	११	द्वादशी की वृद्धि	
१३	बुध	१२		
१४	गुरु	१३		
३०	शुक्र	१४	पुरुषोत्तम मास समाप्ती, अमावस्या, दानादि के लिये श्रेष्ठ	

तिथि	वार	ता.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	शनि	१५	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (१८४७), छप्पनभोग उत्सव, श्री श्रीनाथजी, श्री द्वारकाधीशजी के साथ बिराजे (२०५०) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत, प्रतिपदा को क्षय
३	रवि	१६	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, उत्सव श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज गादी बिराजे (१९७६)
४	सोम	१७	जन्मदिन गो. श्री पीताम्बरजी (श्री परागकुमारजी) कांकरोली
५	मंगल	१८	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०५५), विद्यमान गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज कृत, चि. वेदांतकुमारजी एवं चि. सिद्धान्तकुमारजी के यज्ञोपवीत को, पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, अमदावाद
६	बुध	१९	
७	गुरु	२०	
८	शुक्र	२१	
९	शनि	२२	
१०	रवि	२३	
११	सोम	२४	मोहिनी ११ व्रत
१२	मंगल	२५	गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज गादी बिराजे (२०३७) आज सूं ज्येष्ठ कृष्ण ११ मंगलवार तक, सूर्य रोहिणी नक्षत्र मे प्रभुन को चन्दन धरावें।
१३	बुध	२६	उत्सव श्री द्वारकेशजी (१६३०) श्री बालकृष्णजी के लालजी नृसिंह जयन्ती, १४ को क्षय
१४	गुरु	२७	पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्ति

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गु. वैशाख) संवत २०६७

श्री वल्लभाब्द ५३३ मई-जून २०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	२८	
२	शनि	२९	चार स्वरुपोत्सव ति. श्री दाउजी महाराज कृत (१९६६) पाटोत्सव श्री कल्याणरायजी, बडौदा
३	रवि	३०	
३	सोम	३१	तृतीया की वृद्धि
४	मंगल	१	**जून**
५	बुध	२	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (१९७६) श्री भाभीजी महाराज कृत
६	गुरु	३	
७	शुक्र	४	
८	शनि	५	
९	रवि	६	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०४१) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत
१०	सोम	७	पाटोत्सव, श्री गोपाललालजी महाराज मंदिर, बडौदा
११	मंगळ	८	अपरा ११ व्रत
१२	बुध	९	
१३	गुरु	१०	जन्मदिन गो. चि. व्रजाभरणजी (चि. कपिलकुमारजी) काँकरोली
१४	शुक्र	११	
३०	शनि	१२	अमावस्या

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष				संवत २०६७
श्री वल्लभाब्द ५३३				जून–२०१०
तिथि	वार	ता.	उत्सव	ग्रीष्म–वर्षा ऋतु : रवि उ.–दक्षिणायणे
१	रवि	१३		
२	सोम	१४		
३	मंगल	१५		
४	बुध	१६	श्री श्रीनाथजी के नाव को मनोरथ, जन्मदिन गो. चि. पुरुषोत्तमजी (चि. वागीशकुमारजी) कांकरोली एवम् गो. श्री हरिरायजी, जामनगर, पंचमी को क्षय	
६	गुरु	१७	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (१६४४) श्री बालकृष्णजी के लालजी	
७	शुक्र	१८	उत्सव श्री व्रजनाथजी (१७८८)	
८	शनि	१९	जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणमकुमारजी) बडौदा–काँकरोली	
९	रवि	२०		
१०	सोम	२१	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव, दक्षिणायणे–वर्षाऋतु प्रारंभ	
११	मंगल	२२	निर्जलां ११ व्रत, जन्मदिन गो. चि. प्रबोधकुमारजी मथुरा–काँकरोली	
१२	बुध	२३		
१३	गुरु	२४	स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो	
१४	शुक्र	२५	जन्मदिन गो. चि. व्रजालंकारजी (चि. नैमिषकुमारजी) काँकरोली ज्येष्ठाभिषेक स्नान यात्रा	
१५	शनि	२६	पूर्णिमा (खण्डग्रास चन्द्रग्रहण, भारत के पूर्वोत्तर भाग में दीखेगो)	

तिथि	वार	ता.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	रवि	२७	
२	सोम	२८	
३	मंगल	२९	
४	बुध	३०	
५	गुरु	१	**जुलाई**
६	शुक्र	२	श्री द्वारकाधीशजी को खसखाना मनोरथ, उत्सव श्री द्वारकेशजी (१९६४), जन्मदिन गो. श्री श्याम मनोहरजी कृष्णगढ (पारला)
७	शनि	३	
७	रवि	४	सप्तमी की वृद्धि
८	सोम	५	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (२०१७) गो. श्री व्रजेशकुमारजी के विवाहको, गो. श्री व्रजभूषणलालजी महाराज कृत
९	मंगळ	६	
१०	बुध	७	
११	गुरु	८	योगिनी ११ व्रत
१२	शुक्र	९	
१३	शनि	१०	चतुर्दशी को क्षय
३०	रवि	११	अमावस्या

आषाढ शुक्ल पक्ष — संवत २०६७

श्री वल्लभाब्द ५३३ — जूलाई–२०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव — वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	सोम	१२	
२	मंगल	१३	रथयात्रा
३	बुध	१४	
४	गुरु	१५	
५	शुक्र	१६	पाटोत्सव, श्री द्वारकाधीशजी (१७२०) काँकरोली
६	शनि	१७	कसुम्भा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव
८	रवि	१८	सप्तमी को क्षय, जन्मदिन गो. चि. अभिषेक कुमारजी, मथुरा–काँकरोली
९	सोम	१९	
१०	मंगल	२०	बैंगन दशमी
११	बुध	२१	देवशयनी ११ व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ
१२	गुरु	२२	
१३	शुक्र	२३	
१४	शनि	२४	जन्मदिन गो. चि. शरदकुमारजी, मथुरा–काँकरोली
१५	रवि	२५	व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, पर्वात्मकोत्सव
१५	सोम	२६	पूर्णिमा की वृद्धि

श्रावण कृष्ण पक्ष (गु.आषाढ) संवत २०६७

श्री वल्लभाब्द ५३३ जुलाई-अगस्त २०१०

तिथि	वार	ता.	उत्सव	वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायणे
१	मंगल	२७	हिन्दौरा आरम्भ	
२	बुध	२८		
३	गुरु	२९		
४	शुक्र	३०	जन्माष्टमी की बधाई काँकरोली, श्री गोकुलचंद्रमाजी, कामवन तथा श्री गोकुलनाथजी, गोकुल को पाटोत्सव	
५	शनि	३१		
६	रवि	१	**अगस्त** उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री नवनीत प्रियाजी एवं श्री विठ्ठलनाथजी बाग में बिराजे (२०४२) विद्यमान गो. श्री व्रजेशकुमार महाराज कृत	
७	सोम	२		
८	मंगळ	३	जन्माष्टमी की बधाई, नाथद्वारा	
९	बुध	४		
१०	गुरु	५		
११	शुक्र	६	कामिका ११ व्रत	
१२	शनि	७		
१३	रवि	८	उत्सव श्री बालकृष्णलालजी (१९२४) तथा आप द्वारा कृत श्री द्वारकाधीशजी को दुहेरो मनोरथ जन्मदिन गो. श्री कल्याणरायजी, नाथद्वारा	
१४	सोम	९		
३०	मंगल	१०	हरियाली अमावस्या	